

कौशल से बढ़ेगा रोजगार, उद्योगों को भी मिल सकेंगे कुशल युवा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में युवाओं को कौशल विकास, रोजगार, उद्योग और उद्यमिता से जोड़ने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र (एसवीपीईआईजेड) परियोजना शुरू की जा रही है। इसके पहले चरण में 16 एसवीपीईआईजेड केंद्र स्थापित किए जाएंगे। प्रदेश को नौ हब एंड स्पोक मॉडल पर आधारित औद्योगिक एवं कौशल विकास नेटवर्क के रूप में विकसित करने की योजना है।

एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ कुशल मानव संसाधन की मांग बढ़ी है। एसवीपीईआईजेड के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षित कर रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक जोन स्थानीय औद्योगिक क्षमता, संसाधनों और निवेश संभावनाओं के आधार पर विकसित होगा।

ये केंद्र एकल खिड़की इंडस्ट्रियल, स्किल और एम्प्लॉयमेंट इकोसिस्टम के रूप में काम करेंगे। यहां कौशल विकास केंद्र, औद्योगिक भूखंड, प्लग एंड प्ले औद्योगिक शेड, साझा सुविधा

हब एंड स्पोक मॉडल पर नौ जोन में विकसित होगा सरदार पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र

केंद्र, रोजगार सहायता केंद्र और उद्यमिता सहायता केंद्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही डिजिटल साक्षरता, विदेशी भाषा प्रशिक्षण और व्यावसायिक सेवाएं भी दी जाएंगी। पहले चरण में एमएसएमई विभाग और यूपीसीडा पांच-पांच केंद्र, यूपीईडा और यीडा दो-दो केंद्र तथा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण एक-एक केंद्र विकसित करेंगे। भूमि की कमी वाले क्षेत्रों में बहुमंजिला औद्योगिक परिसर और फ्लैटेड फैक्टरी मॉडल अपनाया जाएगा।

इन नौ जोन में गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हापुड़, सहारनपुर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़, लखनऊ, अयोध्या, कानपुर, प्रयागराज, चित्रकूट, झांसी, विंध्याचल, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती और देवीपाटन मंडल शामिल होंगे। प्रत्येक हब के लिए एसपीवी गठित होगी, जिसका अध्यक्ष प्रमुख निवेशक होगा। यह मॉडल टाटा समूह के गुजरात और महाराष्ट्र में विकसित औद्योगिक एवं कौशल विकास मॉडल के अध्ययन के आधार पर तैयार किया गया है।